मेमोरियल डे

शहीदों को याद करने का दिन

जॉन ईवर्ट © पी. ऐन्ड्रयू ऐन्ड्रयूज़

जिन पुरूषों या महिलाओं ने युद्ध में अथवा देश के लिए प्राण न्योछावर किए, उनके सम्मान में मई माह के अंतिम सोमवार के दिन अनेक अमेरिकी नागरिक स्मृति समारोह आयोजित करते हैं या कुछ शांत क्षण निकालकर शहीदों का सम्मान करते हैं। वे किसी स्मारक स्थल पर जाते हैं, झंडे लगाते हैं, किसी शहीद सैनिक या अपने प्रिय व्यक्ति की कब्र पर फूल चढ़ाते हैं, किसी औपचारिक स्मृति समारोह में भाग लेते हैं अथवा अपने मृत प्रियजनों को याद करते हैं।

कई अमेरिकी नागरिकों के लिए यह दिन ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत का संकेत भी है जब वे अपना तीन दिवसीय सप्ताहांत किसी सागरतट या पहाड़ों में बिता सकते हैं या घर पर आराम कर सकते हैं।

स्मृति दिवस की शुरुआत न्यू यॉर्क के एक छोटे से शहर वाटरलू में 1866 में हुई जब अमेरिका अपने उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच लंबे गृहयुद्ध के बाद राहत की सांस ले रहा था। वाटरलू में हेनरी वेलीज अपना छोटा-सा औषधालय या 'दवाइयों की दुकान' चलाते थे। उन्होंने सुझाव दिया कि जो लोग युद्ध में शहीद हो गए हैं और जिन्हें स्थानीय कब्रगाह में दफनाया गया है, उनके सम्मान में शहर की दुकानें एक दिन बंद रखनीं चाहिए। 5 मई की सुबह शहर के लोगों ने अपने दैनिक व्यापार को बंद करके कब्रगाह में दफन उत्तरी क्षेत्र के शहीद सैनिकों की कब्रों पर फूल चढ़ाए, पुष्प-चक्र और क्रॉस रखे। उन्होंने इसे सम्मान दिवस का नाम दिया। लगभग उसी समय अवकाश प्राप्त मेजर जनरल जोनाथन ए. लोगान युद्ध में बचे सैनिकों की एक टुकड़ी के साथ अपने शहीद सैनिकों की समाधियों पर ध्वज फहराने के लिए शहर में आए।

1868 में इन दोनों आयोजनों को मिला दिया गया और 30 मई को सभी उत्तरी राज्यों ने स्मरणोत्सव मनाया। लेकिन आपसी संघर्ष के घाव अभी ताज़ा ही थे, इसलिए दक्षिणी राज्यों ने अपने शहीदों का स्मरणोत्सव अलग तिथियों में मनाया। 1882 में इसका नाम मेमोरियल डे यानी स्मृति दिवस रखा गया और उत्तरी राज्यों में इसे सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया। जो सैनिक अन्य प्रकार के संघर्षों में मारे गए थे जैसे स्वतंत्रता संग्राम में, उनको भी ससम्मान याद किया गया। स्मृति दिवस को बहुत बाद में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने 1971 में संपूर्ण अमेरिका में राष्ट्रीय संघीय अवकाश दिवस घोषित किया जो मई के अंतिम सोमवार को मनाया जाता है।

अमेरिका के सबसे बड़े राष्ट्रीय समाधि स्थल आर्लिंगटन नेशनल सेमेटरी में स्मृति दिवस से पूर्व शुक्रवार की सुबह सैनिक वहां दफनाए गए सशस्त्र सेनाओं के सदस्यों, अंतरिक्ष यात्रियों, अन्वेषकों और अन्य प्रतिष्ठित अमेरिकी नागरिकों की कब्रों के पास से गुजरते हैं। प्रत्येक सैनिक स्मारक के पास रुकता है, ध्वजों की ढेरी में से एक ध्वज निकाल कर उसे जमीन में लगा देता है। यह विशेष आर्मी रेजिमेंट 'ओल्ड गार्ड' कहलाती है और 2,00,000 से अधिक सैनिकों की समाधियों पर ध्वज फहराना अपने लिए सम्मान का विषय मानती है।

-लॉरिंडा कीज़ लौंग

ऊपर: पीयर, साउथ डकोटा में द्वितीय विश्व युद्ध स्मारक पर एक सैनिक की कांस्य प्रतिमा के बीच से दिखता अमेरिकी झंडा।

नीचे: मेमोरियल डे के मौके पर विक्सबर्ग नेशनल सेमेटरी, मिसिसिप्पी की एक झलक।